Date
6/05/2020

D.El.Ed.
4th Sem.

Subject - Peace Education and Continuous Development

Topic - (Communalism)

साम्प्रदायिकता का अभिप्राय उस भावना से है जो धर्म, भाषा, क्षेत्र, संस्कृति प्रजाति आदि की भिन्नता के कारण एक समूह को दूसरे समूह से अलग रहने या विरोध करने की प्रेरणा देता है।

स्मिथ के अनुसार, " साम्प्रदायिकता व्यक्ति अथवा वह समूह है जो अपने धार्मिक या भाषा-भाषी समूह को एक ऐसी प्रथक राजनैतिक तथा सामाजिक इकाई के रूप मे देखता है जिसके हित, अन्य समूहों से प्रथक होते है और जो उसके विरोधी भी हो सकते है।

साम्प्रदायिकता की विशेषताएँ

1.) धर्म से सम्बन्धित , 2.) श्रेष्ठ होने की भावना

3.) दूसरो की उपेक्षा करना , 4.) अलगाव की भावना

5.) क्षति का भय, 6.) तिरस्कार एवं घृणा की भावना

7.) अनुकूलन का अभाव, 8.) धार्मिक कट्टरता

साम्प्रदायिकता के कारण

1.) फूट डालो राज्य करो की नीति , 2.) मनोवैज्ञानिक कारण

3.) जाति व्यवस्था , 4.) साम्प्रदायिक संगठन

5.) धार्मिक कारण , 6.) असामाजिक तत्व , इत्यादि।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम :-

1) राष्ट्रीय एकता मे बाधक
2) तनाव एवं संघर्ष
3) असुरक्षा की भावना
4) भीषण नरसंहार
5) आर्थिक विकास मे बाधक
6) राजनीतिक अस्थिरता
7) असामाजिक तत्वों मे वृद्धि
8) पारिवारिक विघटन

उपरोक्त से स्पष्ट है कि साम्प्रदायिकता उस राजनीति को कहा जाता है जो धार्मिक समुदायो के बीच विरोध और झगड़े पैदा करती है व राजनीतिक पार्टिया सर्वप्रथम साम्प्रदायिकता का सहारा लेकर ही अपना स्वार्थ सिद्ध कर पाती है। जिसका आम जनता को बहुत ही अमूल्य भुगतान करना पड़ता है।

Complete

Ruchi Tyagi

6/05/2020

Scanned with CamScanner